

2266 फॉर्म 219000/31022442400



12-3-04

मुक्ति का नाम खंड पुस्तक

प्रकाशन संस्कारक एवं विप्रवाल

दिल्ली अधिकारी एवं विप्रवाल

१ क्रेता का नाम खंड पुस्तक:-

महोमात काजी देवी और अधिकारी

दिल्ली अधिकारी एवं विप्रवाल

२ क्रेता का नाम खंड पुस्तक:-

श्री मती लिलावती देवी औरो-

श्री कर्मादन असाह कायम जाति

वैष्णव ईश्वर निवास ज्ञाम के

पास्त तरह ही आना भनातु प्रजी-

वा जिला पटाखा पैगंबर इहाजी का खेती

एवं विप्रवाल भारतीया

112/3/61

92-13-2008

112/3/61

Send to DAIHAT MANDALI
DANSHI TEECH & CO.
Police station, 44. 5. 2004
District - Dangadhar & Narmada
of value of Rs. 1615/-



03 MAR 2004

100X4
500X1
1500X1
500X1
500X1
1500
A 1690/-
784000/-

प्राप्ति दिन
वर्ष २००४

मेरी पोषणी

31/3/04 - 90
प्राप्ति दिन
वर्ष २००४
दाता - १८/३/०४
संग्रहीत - १८/३/०४
क्रमांक - १८/३/०४
प्राप्ति दिन
वर्ष २००४

12-3-04
13-3-04

310
V.11/04

मेरी पोषणी

311
V.11/04

मेरी पोषणी

312
मेरी पोषणी
V.11/04 12-3-04

मेरी पोषणी

मेरी पोषणी

मेरी पोषणी

21/3/04
13/3/04
मेरी पोषणी
13/3/04



367

5000Rs.

उल्लेखनपकारः -

के काला कमला के लाभ
निविदाद् रविक्रम पत्र।
Saleedool.

४ ताम्रदादरसमनः -

मोक्षलील २९६०००) दोलाख उनीस
हजार रुपया।
बजारमूलभास्त्र-मो० २१६०००) दोलाख
उनीसहजार रुपया।
जमीन का मूलभ्य! - मो० १२६०००) रु
लाख नवासी हजार रुपया।
मकाल का मूलभ्य! - मो० ३०,०००
तीस हजार रुपया।

५ विवरण विहीन सम्पत्ति: -

मवाजी १० दस डीसभीलजमीन
दाढ़ नगा वासी वास भग उधरके
अन्धर बना हुआ एक दुकान -
जिसकी चैमाइस लम्बाई १० फीट
एवं चौड़ाई १० फीट अधीन १००की
फीट पक्का छलझमा कुल लाजमात्र
के साथ बैंक मौजा वारालोरा
जाना मैट्टीनगर जिला पालामूर्ति
ठकिमत काल्पन ईमानी, मोरक्की दस्त
रप्पील झेल सज दौ जिलानिवादन
कार्पोरेशन मैट्टीनगर जिलापलामूर्ति

मोक्षलील २१६०००
हजार रुपया।
मोक्षलील २१६०००
हजार रुपया।

मोक्षलील २१६०००
हजार रुपया।
मोक्षलील २१६०००
हजार रुपया।



३

ब्रैंडीवा - चौहानी के खास अपने २
दिनों में भिली जमीन में उसके अन्दर
जना एक द्वेष दुकान साथ बिलान
नमस्कार के साथ खिली किमा जो नमस्कार
लाल रंग से दर्शाया दुआ है जो
खिलम भूमि का ढीँझ है। उक्त भूमि
नड़पालिका सिमा शेन बी बाहर है।
जिसका तप्पसील निचे लिखे अनुसार
है। —

मुक्तिपत्र नं १२५२००४
मुक्तिपत्र नं १२५२००४
मुक्तिपत्र नं १२५२००४

मैजा भाजा नं ५ तोजी खेवट हलका गा
बारालोय १६२२ ४२ १४ पार
नगावाडोवास)

<u>खाना</u>	<u>ट्लैट</u>	<u>रकवा</u>	<u>चौहानी</u> :-
३२०	१६७९८७-१०		३० बिक्रेताका अन्य
तोक से	इकड़ार-दस	द१०. चंद्री रोड	हिंसेकार
बीस	द्वव सौ-डीलील	परमी शाहड	
उनाखी	सी	३० बिक्रेताका अन्य	
		हिंसेकार	
		प० बिक्रेताका अन्य	
		हिंसेकार	

मुक्तिपत्र नं १२५२००४
मुक्तिपत्र नं १२५२००४
मुक्तिपत्र नं १२५२००४

चैमाइसी नाम इमरकान है। —
अर से दशीण लगाई १३७ रुपये में
बतीस जीट एवं पुरब से पक्षियम
की चौड़ाई ३३ तीस जीर है।

500Rs.



अमीत ४३५६ को लिए है।

सलाना भालजुआरी १० दस रुपया मात्र।

नाम भालीक अद्यत्वात् चरकारपजारी
अंचल कार्यालय भैरवाम भैरवीनगर
जिलापलामूँ। -

मिलित होता कि उपरोक्त
विक्रम शूभ्र में दुकान छम्लेगांडी-
कारीगण के इन्हीं, जौहणी सभाति
हैं, जो आपसी प्रबन्ध वा भाइकंट
के द्वारा अन्य द्विसेवनी से छम्लेग
लैखकारीगण को भिला हैं, जिसपर
श्री देवल द्वारा कठ्ठा भोविष्टरूप
से घला आरहा है, इसपर एकी
प्रकार का अध्ययन वा भारतवा दृष्टिभृत
से नुकस तथा खामी नहीं है, इसके
विरुद्ध पांच जाने पर इसकी पुरीजागा
देही वो शिविरिकि केन्द्रार्थ वो
हक्कार छम्लेगा, विक्रेतागण होंगे।
तथा डिश्ट भी अंचल कार्यालय में
पल रही हैं, वसीद करती हैं। -

मात्रकाट दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि
ता १२/१०४ दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि
ता १३/१०४ दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि
ता १४/१०४ दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि
ता १५/१०४ दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि
ता १६/१०४ दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि
ता १७/१०४ दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि
ता १८/१०४ दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि
ता १९/१०४ दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि
ता २०/१०४ दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि

100Rs.



मुकी छमणोग विक्रेतागण को स्वप्ने
का दस्तावेज वाले करने का रोपार
विजनेश वो करने पर की तटकी
के लिए जश्न है। जो स्वप्ने का
प्रबन्ध चाह ठाणे पास नहीं
हो सकता अन्त उसे बीम है।
उसके भान्दर बना रख दुकान को
विश्वी कुर्जे का भर्ता देलात किया जो
क्षेत्र ठस खान का खुनी वो उन्हें
स्वप्नि जो खाना खिला इच्छा इच्छा में
दर्भामा दुधा है। अपने पति वो पुरुष
परिवार के सहभावों से लाह से
खबोदने को तंभार दुड़ी बात तथा
वो पक्का मोबलीज (२१६०००) दो
लाख, उनीस हजार स्वप्ने में किया
तथा जरसभन का स्वप्ना अग्नीम
निवासन के मोबलीज (४३०००)
तंगलीस हजार स्वप्ना वै बगाना
के छावा वस्तुल पाया। एवं मोबलीज
(२१६०००) स्वप्ना विहार हजार
स्वप्ना वजरीम पलाड़ रेतीम गुम्बज
वैक तरह शीके छावा वैकर घेक

100RS.
12-3-04
सेवा कानून
प्रधानमंत्री
राज्यपाल
राज्यपाल

100RS.
12-3-04
सेवा कानून
प्रधानमंत्री
राज्यपाल
राज्यपाल

100RS.



टिक्को क १०-३-१९०४ के दृष्टि
के छारा जिसका चेक नम्बर P.K. ८८
०९७५६९ के छारा जुमला कुलगाँव
में वलीज (१९७००) के लाख ठनीच्छाई
रुपया चुक्ता पखुल पाकर उक्त मूदी
मूदुकान बनाम कैता भी मती गुलाबी
देवी पति श्री दलमीठन प्रस्ताव ग्राम
सोङ्ग तरह मी आना भनारू के द्वाये
विश्वी किया तथा खारा हक को द्विल
कर्त्ता उपर्युक्त है दिया।

१०-३-१९०४
प्रधानमंत्री के द्वाये
प्रधानमंत्री के द्वाये
प्रधानमंत्री के द्वाये
प्रधानमंत्री के द्वाये
प्रधानमंत्री के द्वाये

उक्त मूदी में दुकान के उपर्युक्त
कर्त्ता मेरे हैं उपर्युक्त मन भोतवीक
दुकान दुकान अनावे को उपर्युक्त
मनचाहा उपर्युक्त मेरे लावे तथा भगवा
नाम वे उमाएँ चेतावाले इसमें
उमलोग विषेतात्रण भगवारी भगवा
को कोई हक द्वाये माडिका
नहीं होगा को न डाइन्दा भविष्य
में होगा।

100Rs.



=

अता अपनी २ रुजी खुभी हैं।
मरीज को भन की प्राप्ति करना
वह अभद्रता में रहकर बेला
दब जाजामज बिला किसी के
ठारमें दो घमकामें को
छुझलाये थाह बिक्क्य पन
कुवाला छुझ दिला की सभग
पर काम डार्वे को झासा
रहे। —

५०४१२१२-३-०५
५०४१२१२-३-०५

प्रभाजित किमा आता है कि
दस्तावेज तथा सावधान
नमसा एवं दुग्धदि का दु
बड़ अकल है।

आज ता: १२-३-२००४
माधवनीनगर।

100Rs.



सेक्टर २८ पा १२-३-०४
१९७१

002589 002584

1000 Rs.



प्रेस नं १२३००
प्रिवेट प्रेस
राजनीति अधिकारी
२०१२



कात्रीब:- विनम्र कुमार पाठ्टी
दस्तावेज लिपिक भाइ
जाह्नवीनगर लाइसेंस नं.
145103 केवला लाखा
वो अज्ञान पढ़कर
ज्ञानीकरण के सुनारहा।
ता: १२-३-१०८४
भाइनगर

मार्च १२-३०८४